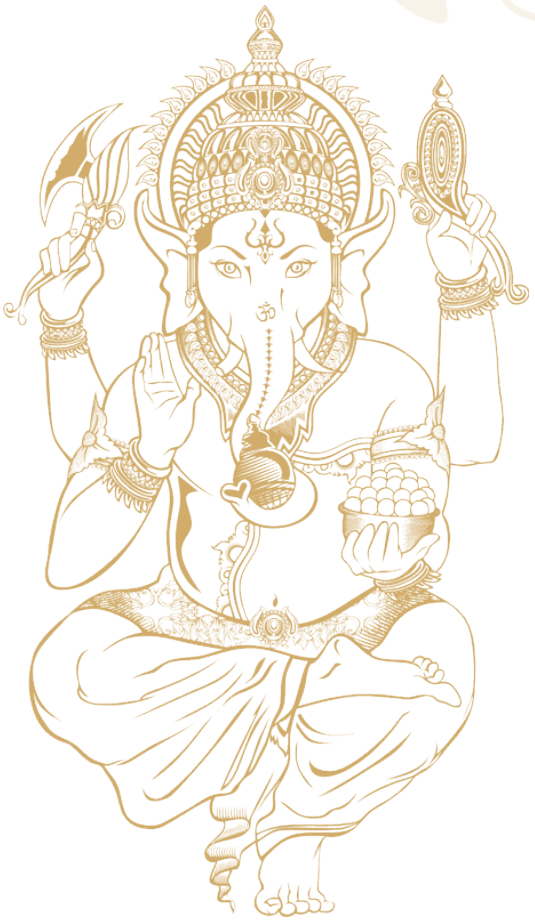

?????

09 Oct 2025

02:15 AM

Saharanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120929603

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**8-09/10/2025**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**02:15:00 घंटे**
इष्ट	49:54:00 घटी
स्थान	**Saharanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:58:00 उत्तर
रेखांश	77:33:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:55:12 घंटे
वेलान्तर	00:12:28 घंटे
साम्पातिक काल	03:06:08 घंटे
सूर्योदय	06:17:23 घंटे
सूर्यास्त	17:56:52 घंटे
दिनमान	11:39:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	21:36:26 कन्या
लग्न के अंश	28:14:32 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	वज्र
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ली-लीलाधर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	28:14:32	307:00:25	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			कन्या	21:36:26	00:59:13	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	सम राशि
चंद्र			मेष	15:31:53	15:02:56	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल			तुला	17:01:58	00:41:20	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध			तुला	09:01:26	01:28:46	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मित्र राशि
गुरु			मिथु	29:07:47	00:06:09	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	29:33:30	01:14:14	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	02:57:40	00:04:16	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	23:55:11	00:03:39	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	23:55:11	00:03:39	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	06:48:40	00:01:32	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	06:07:16	00:01:35	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो	व		मक	07:09:20	00:00:09	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			मेष	24:46:15	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:04

लग्न-चलित

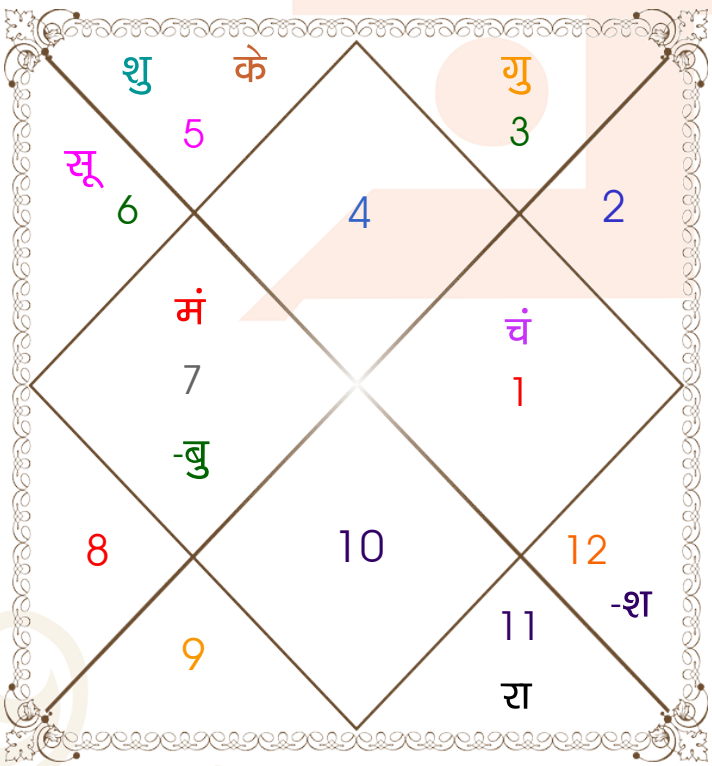

चन्द्र कुंडली

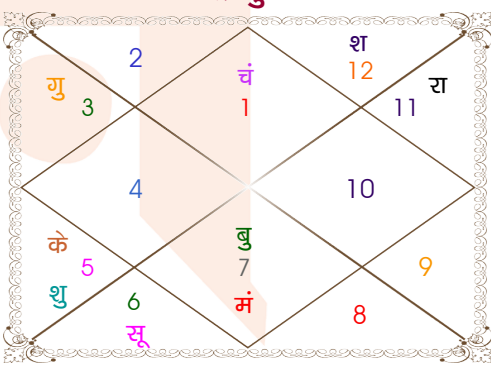

नवमांश कुंडली

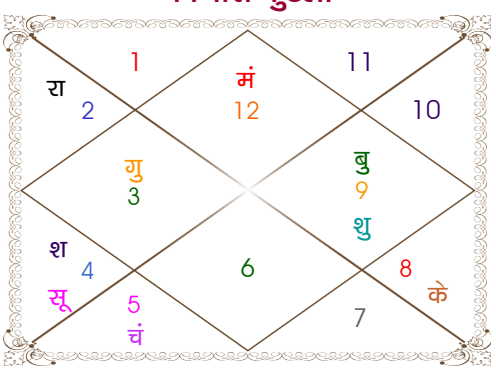

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 16 वर्ष 8 मास 13 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
09/10/2025		22/06/2042		22/06/2048		22/06/2058		22/06/2065	
22/06/2042		22/06/2048		22/06/2058		22/06/2065		23/06/2083	
शुक्र	22/10/2025	सूर्य	10/10/2042	चंद्र	22/04/2049	मंगल	19/11/2058	राहु	04/03/2068
सूर्य	22/10/2026	चंद्र	11/04/2043	मंगल	21/11/2049	राहु	07/12/2059	गुरु	29/07/2070
चंद्र	22/06/2028	मंगल	16/08/2043	राहु	23/05/2051	गुरु	12/11/2060	शनि	04/06/2073
मंगल	22/08/2029	राहु	10/07/2044	गुरु	21/09/2052	शनि	22/12/2061	बुध	22/12/2075
राहु	22/08/2032	गुरु	28/04/2045	शनि	23/04/2054	बुध	19/12/2062	केतु	09/01/2077
गुरु	23/04/2035	शनि	10/04/2046	बुध	22/09/2055	केतु	17/05/2063	शुक्र	10/01/2080
शनि	22/06/2038	बुध	15/02/2047	केतु	22/04/2056	शुक्र	16/07/2064	सूर्य	03/12/2080
बुध	22/04/2041	केतु	23/06/2047	शुक्र	22/12/2057	सूर्य	21/11/2064	चंद्र	04/06/2082
केतु	22/06/2042	शुक्र	22/06/2048	सूर्य	22/06/2058	चंद्र	22/06/2065	मंगल	23/06/2083

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
23/06/2083		23/06/2099		23/06/2118		24/06/2135		23/06/2142	
23/06/2099		23/06/2118		24/06/2135		23/06/2142		00/00/0000	
गुरु	10/08/2085	शनि	26/06/2102	बुध	19/11/2120	केतु	20/11/2135	शुक्र	10/10/2145
शनि	21/02/2088	बुध	06/03/2105	केतु	16/11/2121	शुक्र	19/01/2137		00/00/0000
बुध	29/05/2090	केतु	14/04/2106	शुक्र	16/09/2124	सूर्य	27/05/2137		00/00/0000
केतु	05/05/2091	शुक्र	14/06/2109	सूर्य	24/07/2125	चंद्र	26/12/2137		00/00/0000
शुक्र	03/01/2094	सूर्य	27/05/2110	चंद्र	23/12/2126	मंगल	24/05/2138		00/00/0000
सूर्य	22/10/2094	चंद्र	26/12/2111	मंगल	20/12/2127	राहु	11/06/2139		00/00/0000
चंद्र	21/02/2096	मंगल	03/02/2113	राहु	09/07/2130	गुरु	17/05/2140		00/00/0000
मंगल	27/01/2097	राहु	11/12/2115	गुरु	14/10/2132	शनि	26/06/2141		00/00/0000
राहु	23/06/2099	गुरु	23/06/2118	शनि	24/06/2135	बुध	23/06/2142		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 16 वर्ष 8 मा 15 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।